CMERI
Pg-4

कोलकाता, बुधवार
18.05.2016
वैशाख शुक्ल 12 संवत् 2073
पृष्ठ 14
शिल्पांचल संस्करण
मूल्य : ₹ 5

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता । रांची । पटना । जमशेदपुर । धनबाद । देवघर । सिलीगुड़ी । मुजफ्फरपुर । भागलपुर । गया से प्रकाशित

prabhatkhabar.com

स्पोर्ट्स . रियो विवाद पर सुशील की 12

13 देश-विदेश . अमेरिका बोला, भारत-पाकिस्तान

वितरण किया. दही का शरबत बाजार के राहगीरो को पिलाया.

श्रमिकों को तीन महीने का वेतन देकर हटाने की योजना है. मौके पर सीटू

कि प्रबंधन एक नई नीति के तहत श्रमिकों की छंटनी करना चाहता है.

आम आदमी के मौलिक अधिकार का हनन किया जा रहा है. लोगों को

कृषक जीवन आसान करनेवाला हो अविष्कार

- सीएमइआरआइ में केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने किया दौरा
- नवनिर्मित सोलर प्लांट ट्री का किया उद्घाटन

संवाददाता ▸ दुर्गापुर

केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव पर दुर्गापुर में सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट (सीएसआइआर-सीएमइआरआइ) का दौरा किया. सीएमइआरआइ के निदेशक प्रो. हरीश हिरानी ने केंद्रीय मंत्री का भव्य स्वागत किया. मंत्री ने ऑटोनोमस अंडर वाटर व्हीकल, थ्री- रा प्रेसिशियन प्लेंटर, आयरन रिमोवल प्लांट, एटीआर, सोलर प्लांट, सोलर ट्री, सोनालिका ट्रेक्टर, कृषि शक्ति ट्रेक्टर आदि का परिदर्शन किया और इनकी जमकर तारीफ की.

इसके बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि वैज्ञानिकों को जोश, जज्बा एवं निःस्वार्थ भाव से काम करना चाहिए. पहले जब उचित संसाधन नहीं थे तब भी बंगाल से कई मशहूर वैज्ञानिक निकले. बंगाल वैज्ञानिकों की धरती है. वैज्ञानिकों को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है. मंत्री ने प्रधानमंत्री के सुझाव पर जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिकों का अविष्कार ऐसा होना चाहिये जिससे आम आदमी की जिंदगी आसान हो सके. उन्हें ग्रामीणों के लिये कृषि से जुड़ी मशीनें, सौर ऊर्जा, कचरे से ऊर्जा उत्पन्न करने वाले यंत्रों का आविष्कार करना चाहिये. इससे ग्रामीणों एवं किसानों की जिंदगी आसान होगी. डॉ. हर्षवर्धन ने सीएमइआरआइ के महानिदेशक, गिरीश सहानी एवं निदेशक प्रो. हरीश हिरानी के नेतृत्व में नवनिर्मित सोलर प्लांट ट्री का उद्घाटन किया. यहां सेल, डीएसपी, इसीएल, पानागढ़, डीवीसी डीटीपीएस, ग्रेफाइट इंडिया लिमिटेड, एलोस्टोस प्रोजेक्ट लिमिटेड, श्याम स्टील इंडस्ट्री आदि के अधिकारी उपस्थित थे. इन्होंने सीएमइआरआइ में तैयार मशीनें एवं यंत्रों को लेने का वादा किया ताकि मेक इन इंडिया को नयी दिशा मिल सके.

बिचाली के ढेर में आग